मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान

नई दिल्ली, मार्च 6, 2026

संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के उपलक्ष्य में 'वर्तमान समाज में महिलाओं से जुड़ी धारणाएँ और चुनौतियाँ' इस विषय को लेकर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान समाज में महिलाओं से जुड़ी धारणाओं, उनके अधिकारों तथा समकालीन चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात कुरान की तिलावत प्रस्तुत की गई, जिससे कार्यक्रम का वातावरण आध्यात्मिक और गरिमामय हो गया। इसके बाद संस्कृत विभाग की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत भाषण में महिलाओं के सम्मान और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला गया। भारतीय संस्कृति में नारी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा गया है –

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः॥"

अर्थात् जिस समाज में स्त्रियों का सम्मान होता है ,वहाँ देवता भी निवास करते हैं तथा जहाँ स्त्रियों का निरादर होता है वहाँ के सारे कार्य निष्फल सिद्ध होते हैं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अम्बरीन जमाली, सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपने व्याख्यान में महिलाओं से जुड़े सामाजिक प्रश्नों, लैंगिक समानता तथा वर्तमान समय में महिलाओं के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनका व्याख्यान अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जयप्रकाश नारायण ने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय परम्परा में नारी की गरिमा, सम्मान और भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए तथा समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. जहाँ आरा ने धन्यवाद ज्ञापन के क्रम में कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अतिथियों, आयोजकों तथा उपस्थित प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विभागीय शोध छात्रा जीतू द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के सभी प्राध्यापक, शोधार्थी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों की उपस्थिति रही। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

प्रो .साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

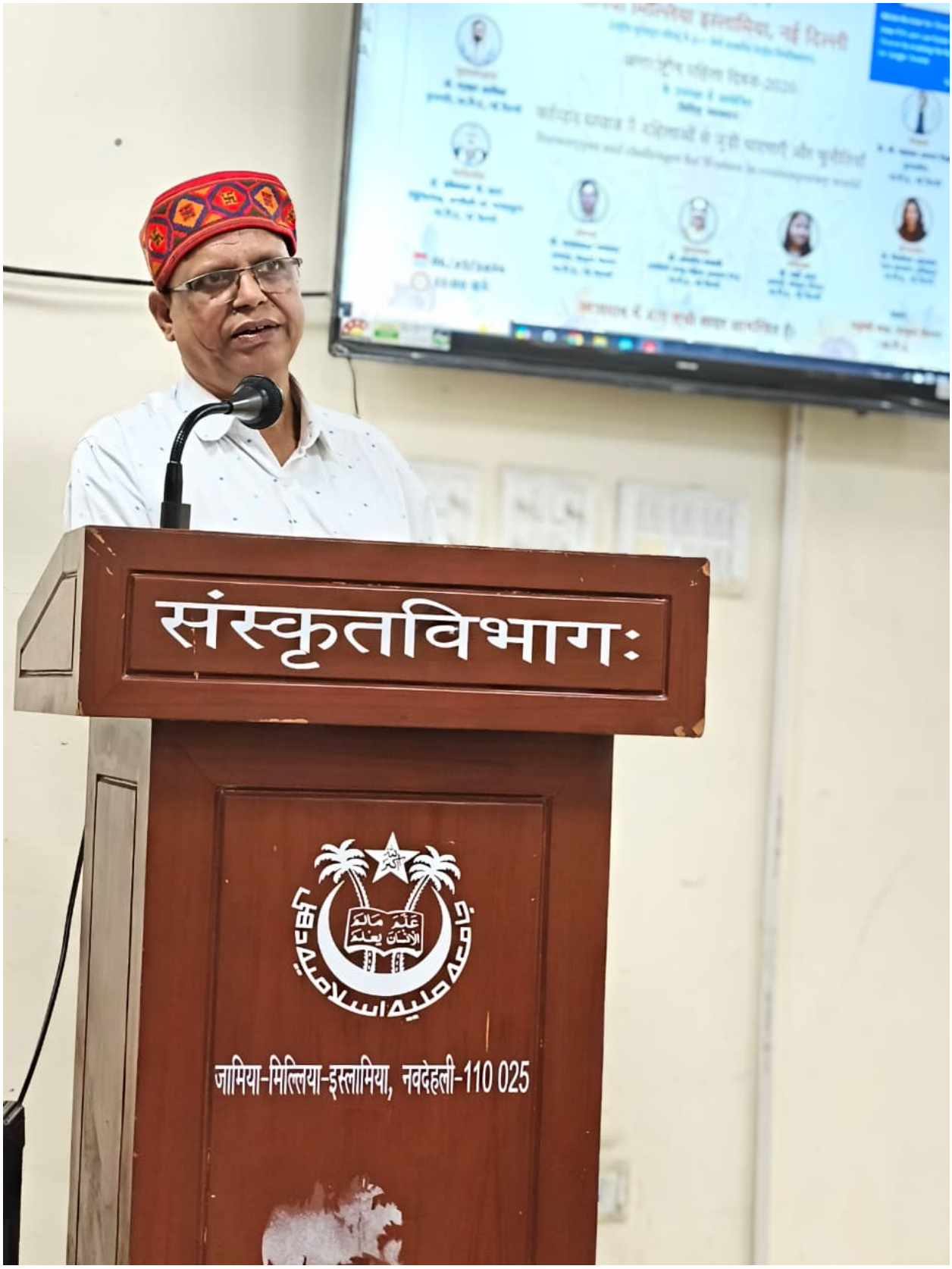
संस्कृतविभागः
جامعہ ملیہ اسلامیہ
جामिया-मिल्लिया-इस्लामिया, नवदेहली-110 025

WHY WOMEN'S DAY MATTERS
International Women's Day -March 8
• Recognizes achievements of women
• Raises awareness about gender inequality
• Promotes gender justice and empowerment
संस्कृतविभागः

VOLTAS
CONTEMPORARY SOCIETY
PES, CHALLENGES AND
By ,
Dr Ambreen Jamali
SNCWS, JMI
संस्कृतविभागः
जामिया-मिल्लिया-इस्लामिया, नवदेहली-110 025

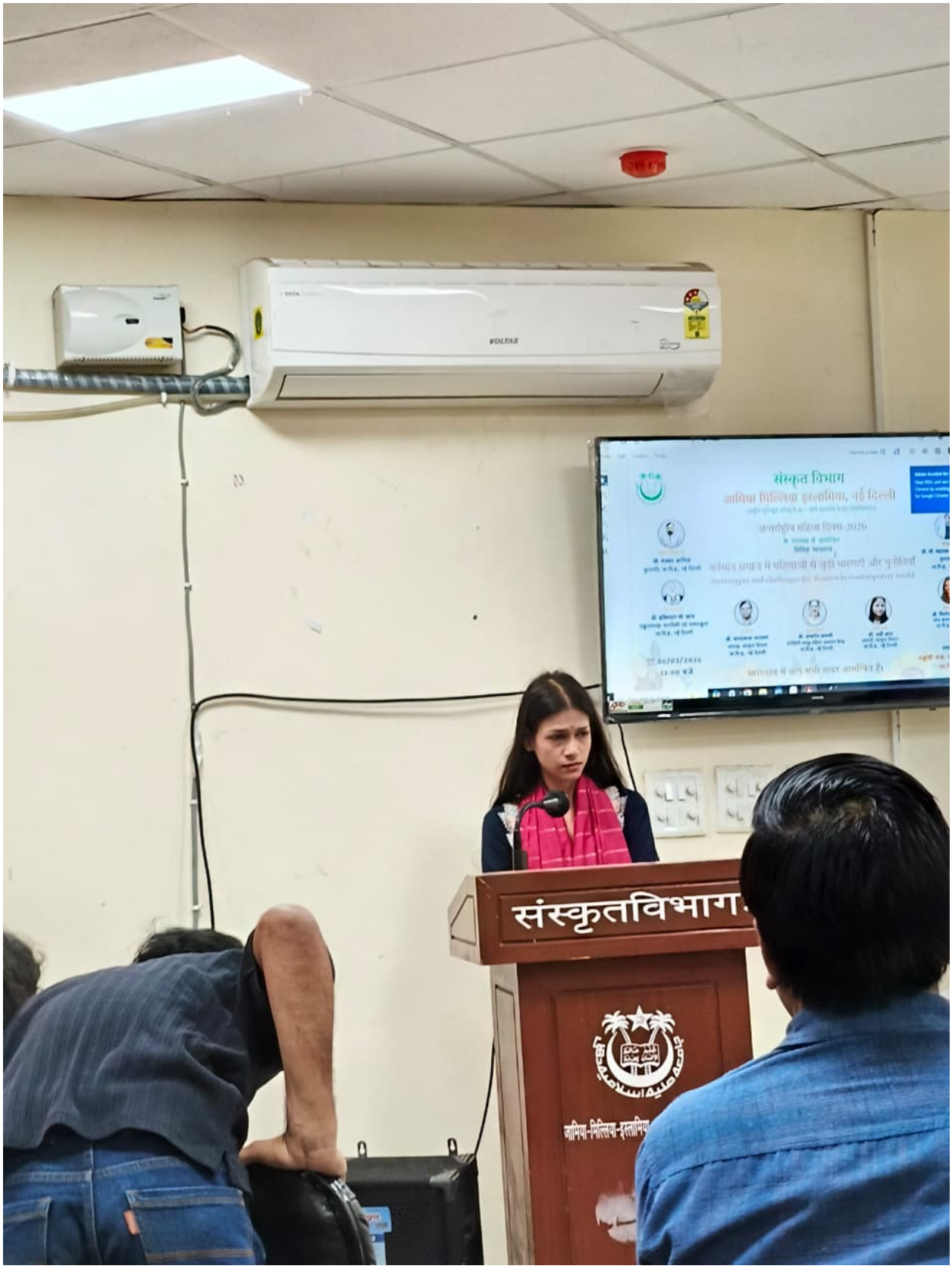
VOLTAS
संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
संस्कृतविभाग

संस्कृतविभागः

***